basera बसेरा
Basera- Deutschlands einzige Hindi Zeitschrift
बसेरा - जर्मनी की एकमात्र हिंदी पत्रिका
www.basera.de
आपकी भाषा, आपकी पहचान, विदेश में

शुक्रवार, २७ नवम्बर २००९

कन्नड़ पुस्तक के अंग्रेज़ी अनुवाद का उदघाटन

25 नवंबर को शांति-नाथ देसाई (1929-1998) की पुस्तक 'विक्षेप' के अंग्रेज़ी अनुवाद का उदघाटन म्युनिक की एक पुस्तकों की दुकान में हुआ। कन्नड़ भाषा की मूल पुस्तक का अंग्रेज़ी अनुवाद प्रो. डा. रॉबर्ट ज़ायडनबोस ने किया और इसे 800 प्रतियों की संख्या के साथ मान्य प्रकाशन ने प्रकाशित किया। संयोग से यह उनका खुद की ही प्रकाशन कंपनी है। उदघाटन पर लगभग बीस अतिथियों के बीच भारतीय महाकोंसल श्री अनूप मुदगल और कोंसल डा. बिनय जॉर्ज भी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। पुस्तक का परिचय देते हुए श्री येन्स कन्युप्पल ने कहा कि यह कहानी पचास के दशक में राहुल नाम के एक नवयुवक की कहानी है तो बेहतर भविष्य के लिए इंगलैंड जाना चाहता है। इसमें नव स्वतंत्रता के उस समय के माहौल को दर्शाया गया है जब भारतीयों को काफ़ी संघर्ष के बाद स्वतंत्रता तो मिल गई थी लेकिन उन्हें यह नहीं समझ आ रहा था कि इस स्वतंत्रता के साथ करें क्या। फिर श्री मुदगल ने पुस्तक का उदघाटन करते हुए कहा कन्नड़ साहित्य का अंग्रेज़ी में अनुवाद करके डा. ज़ायडनबोस ने इसे केवल पश्चिमी विश्व तक पहुँचाया है बल्कि भारत के अन्य हिस्सों के लोगों तक भी इसकी पहुँच बनाई है। एक अच्छे साहित्यिक कार्य की समीक्षा की कसौटी यही है कि क्या इसे एक आम व्यक्ति समझ सकता है? अगर पहले चार पन्ने पढ़ने के बाद यह पूरी पुस्तक पढ़ने को बाध्य हो जाता है तो समझो कि यह एक अच्छी पुस्तक है। उन्होंने भी जब इसके पहले कुछ पृष्ठ पढ़े तो वे बाकी के पन्ने पलटे बिना नहीं रह सके। इसके बाद डा. ज़ायडनबोस ने पुस्तक में से कुछ संदर्भ पढ़ते हुए बताया कि एक स्वभाविक प्रश्न है कि पुस्तक के शीर्षक को क्यों अनूदित नहीं किया गया। 'विक्षेप' शब्द का अंग्रेज़ी में सबसे निकट अनुवाद 'perturbance' है पर शायद इस शीर्षक से पहले ही जर्मनी में पुस्तक प्रकाशित हो चुकी है। ऐसे उदाहरण पहले भी रहे हैं जब भारतीय पुस्तकों के अनुवाद के समय शीर्षक को ज्यों का त्यों रहने दिया जैसे आनंद मोदी की पुस्तक 'संस्कार'। दूसरा स्वभाविक प्रश्न है कि इसे अंग्रेज़ी में अनूदित क्यों किया गया, जर्मन में क्यों नहीं। भारत की प्रमुख भाषाएं जैसे हिंदी, बंगाली आदि के तो बहुत से साहित्य का पश्चिमी विश्व में अनुवाद उपलब्ध हो चुका है, पर कन्नड़ जैसी भाषाओं का साहित्य अभी भी हमसे दूर है। जर्मन लोग भी अंग्रेज़ी तो पढ़ ही लेते हैं। जन्म से कनेडियन होने के कारण मेरी साहित्यिक जर्मन उतनी अच्छी नहीं है। मैंने जर्मन में अनुवाद का प्रयत्न किया पर बात नहीं बनी। फिर चाय नाश्ते के बाद समारोह समाप्त हुआ।

—

संबंधित शब्दावली / देवनागरी मानकीकरण
Herr Jens Knüppel, श्री येन्स कन्युप्पल
Prof. Dr. Robert J. Zydenbos, प्रो. डा. रॉबर्ट ज़ायडनबोस
Manya Verlag, मान्य प्रकाशन
नामों का देवनागरी मानकीकरण

Posted by रजनीश मंगला